

भारत का राजपत्र **The Gazette of India**

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 237]

नई दिल्ली, सोमवार, जून 29, 1970/आषाढ़ 8, 1892

No. 237] NEW DELHI, MONDAY, JUNE 29, 1970/ASADHA 8, 1892

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue & Insurance)

NOTIFICATION

New Delhi, the 29th June 1970

S.O. 2248.—In exercise of the powers conferred by sub-sections (2) and (4) of section 101A of the Insurance Act, 1938 (4 of 1938), the Central Government, after consulting the Advisory Committee constituted under section 101B of the said Act, hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) No. S.O. 1206, dated the 24th May, 1961, published at pages 739 to 784 of the Gazette of India, Extraordinary Part II-Section 3-Sub-section (ii) dated the 24th May, 1961, namely:—

In the said notification,—

(1) in the Schedule,—

(a) in Part I, in item 5 (Credit and Solvency Insurance), for the word “Five” occurring in the second column, the word “Ten” shall be substituted;

(b) in Part II,—

(i) for Table I, following Table shall be substituted, namely:—

“Table I

Class of insurance business	Percentage
1. Fire insurance	35
2. Marine Hull insurance—	
(a) Business rated by Tariff Advisory Committee	Actual discount given to ship-owner plus 2½% on original gross rate.
(b) All other business	12½

<i>Class of insurance business</i>	<i>Percentage</i>
3. Marine Cargo insurance—	
(a) Marine premium	22½
(b) Ware and S.R.C.C. premium	Scale Discount to Insured plus 10% on net.
4. Insurance relating to burglary, motor, fidelity guarantee, third-party liability (excluding professional indemnity and products liability) workmen's compensation, pedal cycle, plate glass, golfers, wireless installations, missing share scrips, family public liability and sporting gun.	30
N.B. Fidelity guarantee includes insurances where employer-employee relationship exists; other fidelity insurances shall be classified as Solvency insurance under item 5 of Part I.	
5. Credit and Solvency insurance	20
6. Aviation insurance relating to Air India and Indian Airlines Fleets and Hindusthan Aircraft.	As applicable under leader of Indian insurers.
7. Any other Aviation Hull insurance relating to—	
(a) Jet Aircraft or any Fleet having Jet Aircrafts as part of the Fleet.	5
(b) Non-Jet Aircraft	10
8. Any other Aviation insurance relating to—	
(a) Jet Aircraft or any Fleet having Jet Aircraft as part of the Fleet.	5
(b) Non-Jet Aircraft.	15
9. Any other class of miscellaneous insurance not mentioned above	25” ;

(ii) for the proviso to paragraph 2, the following proviso shall be substituted, namely:—

“Provided that a reinsurance commission in respect of Fire insurance business and Marine cargo insurance business shall be deducted by the Indian re-insurers from the premiums payable in respect of the business so ceded as under:

Fire	37½%
Marine—	
(a) Marine premiums	%
(b) Ware and S.R.C.C.	Scale discount to insured plus 12½% on net.”;

(iii) in paragraph 11, (i) for the words “excess loss cover” where they occur for the first time, the words “excess loss and/or other reasonable reinsurance cover”, shall be substituted; and (ii) the words “excess loss”, where they occur for the second time, shall be omitted;

(iv) in paragraph 19, after sub paragraph (iii), the following sub-paragraph shall be inserted namely:—

“(iv) In the event of an insurer or re-insurer failing to render the quarterly statements of account, and/or failing to settle the balances due thereunder or under a retrocession account, or failing to pay the cash loss under a cession or retrocession within the stipulated time, he shall pay to the Indian reinsurer or Ceding insurer, as the case may be, a sum equal to ¼% of the amount due for delay of each month or part thereof in furnishing the accounts and/or settling the balances or cash loss.”;

(v) paragraph 22 shall be re-numbered as sub-paragraph (i) of that paragraph and after sub-paragraph (i) as so renumbered, the following sub paragraph shall be added, namely:—

“(ii) Failure on the part of an insurer to give preliminary advice of a listed large risk as required would result in forfeiture of re-insurance commission in respect of business for which the preliminary advice was not given in time.”

(2) in Annexure I, for Form SC 1, the following Form shall be substituted, namely—

"MARINE CARGO STATEMENT OF ACCOUNT"

FORM SC 1.

For the quarter ending:

Date:

From
To

		Col. 1.	Col. 2.		Col. 3.	
		Underwriting Year	19	19	19	Total
PREMIUMS (See Note 1)	Other than Air Sendings	Marine . . .				
		War SRCC . . .				
		SRCC alone . . .				
	Air Sendings	Marine . . .				
		War SRCC . . .				
		SRCC alone . . .				
	COMMISSION	Marine . . .				
		War SRCC . . .				
		SRCC alone . . .				
		Marine . . .				
Small		War SRCC . . .				
SRCC alone . . .						
Large	Marine . . .					
	War SR C C . . .					
	SRCC alone . . .					
	Losses Paid (See Note 2)	Losses on Air Sendings	Marine . . .			
		War SRCC . . .				
		SRCC alone . . .				
Total of Losses paid Small, Large and Air Sendings	Marine . . .					
	War SRCC . . .					
	SRCC alone . . .					
CREDIT FOR CASH LOSS						
ADVANCES made by Re-insurer (if any).						
OTHER ITEMS (if any) CASH						
LOSS DEDUCTED						
BALANCE						

NOTE: 1. Premiums: Show Air Sendings separately (if written in Marine Department).

NOTE: 2. Losses: Total of Losses reported in Form SC 4 should be shown on this account against the item "Large Losses" in this Form

NOTE: 3. War SRCC { Where only inland SRCC is involved, include under SRCC alone.
SRCC alone { Include all other items under War SRCC."

2. This notification shall come into force on the 1st July, 1970.

[No. F. 51(10)INS.1/70]

A. RAJAGOPALAN,

Officer on Special Duty and Ex-officio Joint Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व और बीमा विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 29 जून, 1970

का० आ० 2248.—बीमा अधिनियम, 1938 (1938 का 4) की धारा 101 क की उपधारा (2) और (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 101 ख के अधीन गठित सलाहकार समिति के साथ परामर्श करने के पश्चात्, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 1206 तारीख 24 मई, 1961 में, जो भारत के राजपत्र असाधारण, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (ii), तारीख 24 मई, 1961, के 739 से लेकर 784 तक के पृष्ठों पर प्रकाशित हुई थी, एतद्द्वारा निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :-

उक्त अधिसूचना में :-

(1) अनुसूची में :-

(क) भाग 1 में, मद 5 (साख और शोधन क्षमता बीमा) में, द्वितीय स्तंभ में आने वाले "पांच" शब्द के स्थान पर, "दस" शब्द प्रतिस्थापित किया जायेगा;

(ख) भाग 2 में:-

(1) सारणी 1 के स्थान पर, निम्नलिखित सारणी प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् :-

सारणी

बीमा कारबार का वर्ग	प्रतिशतता
1. अग्रिम बीमा	35
2. समुद्री हल बीमा	
(क) टैरिफ सलाहकार समिति द्वारा निर्धारित कारबार	पोतस्वामी को दिया गया वास्तविक बट्टा तथा मूल सकल दर पर 2½%
(ख) सभी अन्य कारबार	12½

1	2	3
---	---	---

3. समुद्री स्थायी बीमा :-

- (क) समुद्री प्रीमियम 12½
- (ख) युद्ध और हड़ताल, बलवा, सिविल संक्षोभ प्रीमियम बीमा कराने वाले को मापमान के अनुसार बढ़ा और शुद्ध पर 10%

4. सेंध, मोटर, निष्ठा गारंटी, अन्य पक्ष दायित्व [वृत्तिक परिव्राण (इंडेम्निटी) और उत्पाद दायित्व को अपवर्जित करके] कर्मकार प्रतिपत्ति, पेडल साइकिल, प्लेट ग्लाम, गाल्पर, बेतार के तार का संस्थापन, लापता शेयर स्क्रिप, कुटुम्ब लोक दायित्व और शिकारी बंदूक से संबंधित बीमा निष्ठा गारंटी में वे बीमों भी सम्मिलित हैं जहां नियोजक-कर्मचारी संबंध विद्यमान हैं; अन्य निष्ठा बीमाओं को भाग 1 की मद 5 के अन्तर्गत शोधन क्षमता बीमा के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा। 30

ध्यान दीजिये

5. साक्ष और शोधन क्षमता बीमा 20
6. एयर इंडिया, और इंडियन एयरलाइन्स के हवाई बेड़े और हिन्दुस्तान एयरक्राफ्ट से संबंधित विमानन बीमा जैसा भारतीय विमानन बीमा कर्ताओं के नेता की सन्धि के अधीन लागू हो।
7. कोई अन्य विमानन हल बीमा जो निम्नलिखित से संबंधित हो :-

- (क) जेट वायुयान या कोई हवाई बेड़ा जिसमें भागतः जेट वायुयान हों 5

- (ख) बिना जेट के वायुयान 10

8. कोई अन्य विमानन बीमा जो निम्नलिखित से संबंधित हो :-

- (क) जेट वायुयान या कोई हवाई बेड़ा जिसमें भागतः

- जेट वायुयान हों 5

- (ख) बिना जेट के वायुयान 15

1

2

3

9. किसी अन्य वर्ग का प्रकीर्ण बीमा जो ऊपर वर्णित न हो 25

(II) पैरा 2 के परन्तुक के स्थान पर, निम्नलिखित

परन्तुक प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :-

“परन्तु यह कि भारतीय पुनर्बीमाकर्ताओं द्वारा इस प्रकार अध्यापित कारबार की बाबत संदेय प्रीमियम में से अग्नि बीमा कारबार और समुद्री ब्योरा बीमा कारबार की बाबत पुनर्बीमा कमीशन की कटौती नीचे दिए गए अनुसार की जाएगी :-

अग्नि 37½%

समुद्री :-

(क) समुद्री प्रीमियम 25

(ख) युद्ध और हड़ताल, बलवा, सिविल संक्षोभ बी कराने वाले को मापमान के अनुसार बढ़ा तथा शुद्ध पर 12½ प्रतिशतता” ;

(III) पैरा II(i) में “आधिक्य में हानि सुरक्षा” शब्दों, वे जहां जहां भी प्रथम बार आयें के स्थान पर “आधिक्य में हानि और / या अन्य युक्तियुक्त पुनर्बीमा सुरक्षा” शब्द प्रतिस्थापित किए जायेंगे, और “आधिक्य में हानि” शब्द, जहां जहां भी वे दूसरी बार आएँ, लुप्त कर दिये जायेंगे ;

(IV) पैरा 19 में, उपपैरा (iii) के पश्चात्, निम्नलिखित उपपैरा अन्तः स्थापित किया जायेगा, अर्थात् :-

(V) बीमाकर्ता या पुनर्बीमाकर्ता द्वारा लेखा के तिमाही विवरण न दिये जा सकने, और/ या उसके या पुनरध्यर्पण (रिट्रांसेशन) लेखा के अन्तर्गत शोध्य अतिशेष को तय न कर सकने, या नियत समय के भीतर अध्यापण या पुनरध्यर्पण के अन्तर्गत नकदी की हानि संदत्त न कर सकने की दशा में, वह यथास्थिति, भारतीय पुनर्बीमाकर्ता या अध्यापी बीमाकर्ता को, नकदी की हानि के लेखा प्रस्तुत करने और या उसके अतिशेष को तय करने में प्रत्येक मास या उसके भाग की देरी के लिये शोध्य रकम के ½% के बराबर राशि संदत्त करेगा ।

(VI) पैरा 22 उस पैरा के उपपैरा (i) के रूप में पुनःसंख्यांकित किया जायेगा और इस प्रकार पुनः संख्यांकित उपपैरा के पश्चात् निम्नलिखित उपपैरा जोड़ दिया जायेगा, अर्थात् :-

“(ii) बीमाकर्ता द्वारा यथा अपेक्षित सूचीबद्ध बड़ी जोखिम की प्रारम्भिक सूचना न दिए जाने के फलस्वरूप उस कारबार की बाबत पुनर्बीमा कमीशन जब्त कर लिया जायेगा जिसके लिये समय पर प्रारम्भिक सूचना नहीं दी गई थी ।” ;

2. उपाबन्ध 1 में, प्ररूप एस० सी० 1 के स्थान पर, निम्नलिखित प्ररूप प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

प्ररूप एस० सी० 1

समुद्री व्यौरा लेखा विवरण

-----का समाप्त होने वाली तिमाही के लिये

तारीख

प्रेषक सेवा में

		स्तंभ 1	स्तंभ 2		स्तंभ 3
		बीमा करने का वर्ष	19	19	जोड़
प्रीमियम (नोट देखिए)	वायु द्वारा भेजे गए माल से भिन्न	समुद्री			
		युद्ध, हड़ताल, बलवा, सिविल संक्षोभ			
		केवल हड़ताल, बलवा सिविल संक्षोभ			
	वायु द्वारा भेजा गया माल	समुद्री			
		युद्ध, हड़ताल, बलवा, सिविल संक्षोभ			
		केवल हड़ताल, बलवा, सिविल संक्षोभ			
		समुद्री			
		युद्ध, हड़ताल, बलवा, सिविल संक्षोभ			
		केवल हड़ताल, बलवा, सिविल संक्षोभ			
कमीशन		केवल हड़ताल, बलवा, सिविल संक्षोभ			

स्तंभ	स्तंभ 2	स्तंभ 3
बीमा करने का वर्ष	समुद्री	
	युद्ध, हड़ताल, बलवा, सिविल संक्षोभ	
छोटी	केवल हड़ताल, बलवा, सिविल संक्षोभ	
बड़ी	समुद्री	
	युद्ध, हड़ताल, बलवा, सिविल संक्षोभ	
	केवल हड़ताल, बलवा, सिविल संक्षोभ	
संदत्त हानियां (टिप्पण 2 देखिए)	वायु द्वारा भेजे गए माल पर हानियां	समुद्री
	युद्ध, हड़ताल, बलवा, सिविल संक्षोभ	
	केवल हड़ताल, बलवा, सिविल संक्षोभ	
छोटी, बड़ी और वायु द्वारा भेजे गए माल पर संदत्त, हानियों का जोड़	समुद्री	
	युद्ध, हड़ताल, बलवा, सिविल संक्षोभ	
	केवल हड़ताल, बलवा, सिविल संक्षोभ	

स्तंभ 1	स्तंभ 2	स्तंभ 3
बीमा करने का वर्ष		
<p>पुनर्बीमाकर्ता द्वारा नकद हानि अग्निसिमा के लिये की गई जमा (यदि कोई हो)</p>		
<p>नकद हानि को बटा कर अन्य मर्दे (यदि कोई हों)</p>		
अतिशेष		
टिप्पण : 1	प्रीमियम :	वायु द्वारा भेजे गए माल को अलग से दिखायें (यदि समुद्री विभाग में लिखे गए हों)
टिप्पण : 2	हानियाँ :	प्ररूप एस० सी० 4 में रिपोर्ट की गई हानियों का जोड़ इस लेखा में इस प्ररूप की "बड़ी हानियाँ" शीर्षक के सामने दिखाया जाना चाहिये।
टिप्पण : 3	युद्ध, हड़ताल, बलवा, सिविल संक्षोभ	अहाँ केवल अन्तर्राष्ट्रीय हड़ताल, बलवा, सिविल संक्षोभ अन्तर्भूत हों, वहाँ केवल हड़ताल, बलवा, सिविल संक्षोभ के अन्तर्गत सम्मिलित करें। अन्य सभी केवल हड़ताल, बलवा सिविल संक्षोभ युद्ध मर्ये युद्ध, हड़ताल, बलवा, सिविल संक्षोभ के अन्तर्गत सम्मिलित करें।"

2. यह अधिसूचना 1 जुलाई, 1970 को प्रवृत्त होगी।

[सं० एफ० 51 (10) भाई० एन० एस० 170]

ए० राजागोपालन,

विशेष कार्यअधिकारी तथा पदेन संयुक्त सचिव।

